ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–41
दिनांक– मंगलवार, 28 मई, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.5 एवं 27.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 82 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 63 प्रतिशत, हवा की औसत गति 12.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 6.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.0 एवं दोपहर में 37.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(29 मई–02 जून, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 29 मई–02 जून, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छाये रह सकते है। अगले 31 मई तक ज्यादातर स्थानों में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। अगले तीन दिनों तक मध्यम हीट वेव की स्थिति बन सकती है। 1–2 जून के आस–पास मैदानी भागों के जिलों में कहीं–कहीं हल्की वर्षा या बुंदा–बुदी होने का अनुमान है। पूर्वी, पश्चिमी चम्पारण एवं सीतामढ़ी जिलों में 30 मई के बाद ही वर्षा की सम्भावना बन सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 38–41 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 18 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले 2–3 दिनों के दौरान किसान भाई मूंग एवं उरद् की तैयार फसलों की तुड़ाई, रवी मक्का की दौनी एवं दाने सुखाने का कार्य संपन्न कर लें। 1–2 जून के आस–पास कहीं–कहीं हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषि कार्यो में सर्तकता वरतें।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में एवं अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है।
- खरीफ प्याज की खेती के लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद डाले। छोटी–छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। खरीफ प्याज के लिए एन0–53, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई–गुड़ाई करें। कीट–व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- किसान भाई धान का विचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु करें। 10 जून तक लम्बी अवधि वाले धान का विचड़ा गिराने का उपयुक्त समय है। 10 से 25 जून तक मध्यम अवधि वाले धान का विचड़ा बोने के लिए अनुकूल समय है। जो किसान धान की सीधी बुआई करना चाहते है, वे लम्बी अवधि वाले धान की किस्म की बुआई अगले सप्ताह में कर सकते हैं, इसके लिए उनके पास सिंचाई की उचित व्यवस्था हो।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकुल है। इसके लिए सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 किस्मों की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाष का व्यवहार करें। प्रति किग्रा0 बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर 20 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच0एस0 (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्रम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोग्रम यूरिया, 1.5 किलोग्रम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्रम म्युरेट ऑफ पोटाश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें ।
- भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पुरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक–थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। लत्तर वाली सब्जियों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।
- किसान भाई मई के अन्त तक सभी दुधारू पशुओं को गलघोटु एवं लंगड़ी बीमारीयों से बचने के लिए टिका लगायें। अपने पशुओं को दिन में छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखे एवं अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)